कक्षा-1 के लिए अपठित गद्यांश

"एक तारा था, जिसका नाम था 'प्रकाश'। प्रकाश बहुत अकेला था, क्योंकि वह आसमान के एक कोने में था, जहाँ कोई और तारा नहीं था। उसके आस-पास के तारे हर रात ज़ोर से हंसते, चहकते और एक-दूसरे के साथ बातें करते। प्रकाश हमेशा सोचता कि क्यों उसे कोई अपने साथ नहीं मानता।"

जैसे-जैसे अर्जुन अपनी कहानी लिखता गया, उसकी कल्पना में प्रकाश की यात्रा शुरू हुई। एक दिन, प्रकाश ने निश्चय किया कि वह अपने लिए एक दोस्त बनाएगा। उसने अपनी चमक को और बढ़ाया और आसमान में उड़ान भरी। उसने दूसरे तारों से बात करने की कोशिश की, लेकिन वे उसकी सादगी और अकेलेपन का मजाक उड़ाते रहे।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

प्र०1. तारे का नाम क्या था?

उत्तर _____

_____

प्र०2. प्रकाश हमेशा क्या सोचता था?

उत्तर _____

_____

प्र०3. एक दिन प्रकाश ने क्या निश्चय किया ?

उत्तर _____

_____

प्र०4. बाकी सितारों ने प्रकाश के साथ क्या किया?

उत्तर _____

_____